

श्यामा जब से आई है हाथ तेरे मुरली को गुमान हो गया।

श्यामा जब से आई है हाथ तेरे,
कि मुरली को गुमान हो गया।
ओ इसके कट गए चौरासी वाले घेरे,
कि मुरली को गुमान हो गया।

लकड़ी थी बांस की, कोई पूछता ना बात को।
तेरे हाथ लगी ये तो भूल गई औकात को।
ओ पेड़ और भी हैं जंगलों में बथेरे,
कि मुरली को गुमान हो गया...

सोने चांदी वाली कभी मुरली ना बजती।
तेरे हाथ आई श्यामा, बांस की भी सज गई।
ओ मीठे राग सुनाए हर वेले,
कि मुरली को गुमान हो गया...

तेरी मुरली वे श्यामा, सोने भी ना देती है।
घर में हरदम पुकारे लगाती रहती है।
ओ हमें मुरली की तरह रखती है पास पास,
कि मुरली को गुमान हो गया...

अपलोडर – अनिलरामूर्ति, भोपाल

श्यामा जदें दी आਈ ऐ हँष तेरे,
कि मुरली नुँ गुमान हो गिआ ।
ओ ऐहदे कँट गऐ चौरासी वऱले गेरे,
कि मुरली नुँ गुमान हो गिआ ।

लकड़ी सी बऱंस दी, केई पूँछदा नऱ बऱत नुँ ।
तेरे हँष लँगी ऐह तऱं भुँल गऱई औकऱत नुँ ।
ओ रुँष हेर वी ने जंगलऱं च वथेरे,
कि मुरली नुँ गुमान हो गिआ...

सेने चऱंदी वऱली कदे मुरली नऱ वँजदी ।
तेरे हँष आई श्यामऱ बऱंस दी वी सँज गऱई ।
ओ मिँठे रऱग सुऱवऱे हर वेले,
कि मुरली नुँ गुमान हो गिआ...

तेरी मुरली वे श्यामऱ सँट वी नऱ देँदी ऐ ।
यर वँच हरदम पुऱऱऱे पऱँुँदी रऱहिँदी ऐ ।

ਓ ਸਾਨੂੰ ਮੁਰਲੀ ਵਾਂਗ ਰੱਖ ਨੇੜੇ ਨੇੜੇ,
ਕਿ ਮੁਰਲੀ ਨੂੰ ਗੁਮਾਨ ਹੋ ਗਿਆ...

ਅਪਲੋਡਰ- ਅਨਿਲਰਾਮੂਰਤੀਭੋਪਾਲ

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35023/title/shyama-jadon-di-aayi-e-hath-tere-murli-nu-guman-ho-gaya>

ਅਪਨੇ Android ਸੋਫਟਵੇਅਰ ਪਰ [BhajanGanga](#) App ਡਾਊਨਲੋਡ ਕਰੋ ਔਰ ਭਜਨਾਂ ਕਾ ਆਨੰਦ ਲੇ |